

सिवनी/ सौसर

अस्पताल में बच्ची के उल्टी करने पर कर्मचारी ने कहा, साफ करो

गोटेगांव, देशबन्धु। स्थानीय नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव में स्वास्थ्य कर्मचारी के द्वारा अभद्रतापूर्ण व्यवहार करने का मामला सामने आया है। सात साल की बीमार बच्ची के उल्टी करने पर कर्मचारी ने परिजनों के उल्टी साफ करने को कहा।

तीन नवंबर की रात्रि को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नगर के हरदौल वार्ड निवासी परिजन अपनी एक लगभग सातवांशी छोटी बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज के लिए लेकर आए थे। छोटी बच्ची को उल्टी हो रही थी। उसके इलाज के लिए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। वहां पर रात्रि कालीन पर्ची काटने वाले कर्मचारी के द्वारा परिजनों से कोई गई।

बीमार बच्ची ने अस्पताल परिसर के डॉक्टर रूप के बाहर उल्टी कर दी थी। वहां द्व्युटी पर तैनात कर्मचारी ने परिजनों



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव का मामला

से चिल्ला कर तेज आवाज में उल्टी साफ करने के लिए कहा। इस पर पीड़ित बच्ची के परिजनों ने चिल्ला न करने के उद्देश्य से कर्मचारी पर कार्रवाई कर नजरी पेश करनी चाहिए।

के ऊपर पानी डाल देंगे, लेकिन कर्मचारी ने जिद पकड़ ली और परिजनों से कहा आ यहां पर आकर उल्टी करोगे तो क्या हम साफ करेंगे। कर्मचारी ने कहा पानी डालकर वायपर से अच्छी पड़ेगी और कर्मचारी परिजनों पर लगातार तृ तड़का करके चिल्ला रहा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सासन द्वारा सफाई कर्मियों की द्व्युटी लगाई जाती है। उसके उपरांत कर्मचारी के द्वारा मरीज के परिजनों को साफ सफाई करने वाले व्यक्तियों को नोटिस भी जारी किया। और नोटिस जारी करने के बाद भी शमशान की भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया गया है जिसके चलाने अब यहां के ग्रामीणों में आक्रोश जारी रहा है।

ग्रामीणों के द्वारा तहसील कार्यालय में शिकायत की गई, इतना ही नहीं तहसीलदार ने अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों को नोटिस भी जारी किया। और नोटिस जारी करने के बाद 15 अक्टूबर 2024 को 15 अदेश परिवर्त कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की गई है। ऐसे कर्मचारी जानवृकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की छवि में बढ़ा लगा रहे हैं। जिसका बीड़ीयी भी सोशल मीडिया पर वायपर हो रहा है। उच्च अधिकारियों को ऐसे कर्मचारी पर कार्रवाई कर नजरी पेश करनी चाहिए।

यह पूरा मामला ग्राम पंचायत सागर ताखला ग्राम का है, जिस पर

शिकायत के बाद भी शमशान भूमि से नहीं हटा अतिक्रमण

ग्रामीणों ने दी तहसील कार्यालय के सामने आंदोलन की चेतावनी



छपरा, देशबन्धु। शासकीय भूमि पर कब्जा करने वाले भूमालिकायों पर सख्त कार्रवाई करने के सिलसिले हैं लेकिन यह सिवनी के द्वारा विकासवांड में जनसुनवाई में तीन बार शिकायत करने के बाद भी शमशान की भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया गया है जिसके चलाने अब यहां के ग्रामीणों में आक्रोश जारी रहा है।

ग्रामीणों के द्वारा तहसील कार्यालय में शिकायत की गई, इतना ही नहीं तहसीलदार ने अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों को नोटिस भी जारी किया। और नोटिस जारी करने के बाद भी शमशान की भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। जिसका घटनाक्रम नंबर 84 रक्कम वैस्तविक अदेश नंबर 0.77 होने में ताखला ग्राम के पूना राम पिता जान सिंह रमेश पिता श्रीचंद्र मोतीलाल पिता गालझारा के द्वारा अवैध कब्जा कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की गई है। जिसका टीम भी बनाई गई, लेकिन अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की गई है।

यह पूरा मामला ग्राम पंचायत सागर ताखला ग्राम का है, जिस पर

को लेकर जारी किए गए नोटिस मिलने के बाद भी उक्त दबागों द्वारा शमशान की भूमि में फिर से एक मकान बनाया जा रहा है। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई आरोपियों के खिलाफ नहीं की गई है। जबकि तहसीलदार के द्वारा 15 अक्टूबर को अतिक्रमण हटाने को लेकर आदेश प्राप्ति जारी किया गया है, लेकिन अवैध कब्जा कर अब यहां मकान बना लिया गया है। इन्हाँ ही नहीं बाकी शेष शमशान की भूमि पर भी अतिक्रमण हटाने के बाद से दूब रहे।

प्रभावित है, यहां की समस्त निस्तार भूमि दूब में आ चुकी है। एकमात्र शमशान की भूमि सरकार ने निर्धारित किया है। वह भी हमसे अतिक्रमणकारियों ने छीन ली है, वही ग्रामीणों ने बताया कि इस मामले की शिकायत करने के बाद अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति शिकायतकर्ताओं को भी धमकाया रहे हैं फिलहाल ग्रामीणों ने शमशान की भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर प्रशासन को चेतावनी दी है। एक साथ ह के भीतर यदि अतिक्रमण नहीं हटाया तो तहसील कार्यालय के सामने धरना आंदोलन करें।

इनका कहना है -

अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर दल का गठन कर लिया गया है (एक साथ के भीतर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर ली जाएगी)।

नितिन कुमार चौधरी तहसीलदार छपरा

ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ



नैनपुर, देशबन्धु। मार्केट इलेवन के तत्वाधान में गत 4 नवंबर से ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से भी टीमें आमंत्रित रही हैं।

शुभारंभ मैच में ये रहे उपस्थिति - शुभारंभ मैच में ये विश्वकर्मा, प्रदीप ये चैम्प में उपस्थिति जुगल राज शिवाल, चंदू त्रिपाठी, पूर्व खिलाड़ी एवं समस्त खेल प्रेमियों ने सभी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

सत्यप्रकाश सोनी, पांचांदा राज शिवाल, विनोद साओ, धर्मेंद्र राजपूत, नीरज सोनी, खेल की सराहना की।

स्परण हो कि 2003 में तक तकालीन

सरकार के द्वारा ईटीपीपीएल कंपनी ने जबलपुर नरसिंहपुर तथा अन्य गांवों को जांडने वाली सड़कों अब आक्सीजन पर चलने लगी हैं। जहां जग जग खराब होती जा रही है गांडीजी की द्वारा अन्य राज्यों ने अपने लगातार अवैध कब्जा कर लिया है। गांवों में भी नगर से जोड़ने वाली सड़कों पूर्णतः खराब हो चुकी हैं। बड़े पुल से जबलपुर तक सड़क सरकारी खराब हो चली है।

स्परण हो कि 2003 में तक तकालीन

डॉ.अधीर गोयल ने पीएचडी कर विश्वविद्यालय का क्रियान्वयन की नाम रोशन

सौमर, देशबन्धु। डॉ. अधीर ए. गोयल ने जी.एच. रायसोनी विश्वविद्यालय, साईंचेदी से प्रबंधन में अपनी पीएचडी सफलतापूर्वक पूरी की है।

उनका शोध डिजिटल मार्केटिंग का

ग्रामीण जनसंख्या की खरीदारी व्यवहार पर

प्रभाव और उपभोक्ता टिकोन वस्तुओं के संदर्भ में था। इसकी

प्रभावशीलता - महाराष्ट्र और

मध्य प्रदेश के चयनित विद्युतीयों को इस समस्या से अवगत

भी कराया जा सकता है।

वहीं पूर्णांग करने के लिए भी रेल प्रशासन को

ओवरनाइट का स्टोरेज करना चाहिए। अभी इंटर के लिए सिर्फ नमंदा एक्सप्रेस ही इसको

पहुंचने में 13 घंटे का समय लगता है एवं

आवासीन एवं विद्युतीय विद्युत को इसकी स्थानीय विद्युतीयों के समय से अवगत

भी कराया जा सकता है।

वहीं पूर्णांग करने के लिए भी रेल प्रशासन को

ओवरनाइट का स्टोरेज करना चाहिए। अभी इंटर के लिए सिर्फ नमंदा एक्सप्रेस ही इसको

पहुंचने में 13 घंटे का समय लगता है एवं

आवासीन एवं विद्युतीय विद्युत को इसकी स्थानीय विद्युतीयों के समय से अवगत

भी कराया जा सकता है।

वहीं पूर्णांग करने के लिए भी रेल प्रशासन को

ओवरनाइट का स्टोरेज करना चाहिए। अभी इंटर के लिए सिर्फ नमंदा एक्सप्रेस ही इसको

पहुंचने में 13 घंटे का समय लगता है एवं

आवासीन एवं विद्युतीय विद्युत को इसकी स्थानीय विद्युतीयों के समय से अवगत

भी कराया जा सकता है।

वहीं पूर्णांग करने के लिए भी रेल प्रशासन को

ओवरनाइट का स्टोरेज करना चाहिए। अभी इंटर के लिए सिर्फ नमंदा एक्सप्रेस ही इसको

पहुंचने में 13 घंटे का समय लगता है एवं